आयएमओचे सरचिटणीस महामहिम श्री आर्सेनियो डोमिंग्वेझ यांनी जागतिक सागरी शाश्वततेवर चर्चा करण्यासाठी जनेप प्राधिकरणाला दिली भेट

मुंबई**, 20** फेब्रुवारी **2025:** आंतरराष्ट्रीय सागरी संघटनेचे (IMO) सरचिटणीस महामहिम श्री. आर्सेनियो डोमिंग्वेझ यांनी त्यांच्या भारत दौऱ्यादरम्यान, जागतिक सागरी क्षेत्रात शाश्वततेला प्रोत्साहन देण्यावर लक्ष केंद्रित करत, भारतातील सर्वोत्तम कामगिरी करणारे बंदर जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरणाला (जनेप प्राधिकरण) बुधवार, 19 फेब्रुवारी 2025 रोजी भेट दिली. या भेटीदरम्यान भारत सरकारच्या शिपिंग महासंचालनालयाचे महासंचालक श्री श्याम जगन्नाथन देखील उपस्थित होते.

या भेटीत त्यांनी जनेप प्राधिकरणाचे अध्यक्ष आणि वाढवण बंदर प्रकल्प लिमिटेडचे अध्यक्ष आणि व्यवस्थापकीय संचालक श्री उन्मेष शरद वाघ, भा.रा.से., यांच्याशी चर्चा केली. यावेळी जनेप प्राधिकरणाच्या सागरी कामकाजातील प्रगती आणि शाश्वतता उपक्रमांवर प्रकाश टाकणारे सादरीकरण करण्यात आले तसेच महामहिम श्री आर्सेनियो डोमिंग्वेझ यांचा सत्कार करण्यात आला. जनेप प्राधिकरणाद्वारे विकसित केले जात असलेले भारताचे 13 वे मोठे बंदर, वाढवण बंदर प्रकल्प लिमिटेड (व्हीपीपीएल) याबद्दलही त्यांना माहिती देण्यात आली.

ही चर्चा जनेप प्राधिकरणाच्या सध्या चालू असलेल्या आणि आगामी शाश्वत उपक्रमांवर केंद्रित होती, ज्यामुळे हरित आणि कार्यक्षम बंदर कामकाजासाठी जनेप प्राधिकरणाची वचनबद्धता अधोरेखित होते. महामहिम श्री. डोमिंग्वेझ यांनी जनेप प्राधिकरण विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ) आणि सेंट्रलाइज्ड पार्किंग प्लाझा (CPP) यासह प्रमुख पायाभूत सुविधांच्या विकासकामांनाही भेट दिली आणि आर्थिक विकास आणि पर्यावरणीय जबाबदारीच्या बंदराच्या एकात्मिक दृष्टिकोणाबाबत माहिती घेतली.

जेएनपीएला दिलेल्या भेटीच्या अनुभवाबद्दल सांगताना, आंतरराष्ट्रीय सागरी संघटनेचे **(IMO)** महासचिव मा**.** श्री**.** अर्सेनियो डोमिंग्वेझ म्हणाले, *"ही माझी जवाहरलाल नेहरू बंदराला (JNPA) पहिलीच भेट आहे, आणि आशा आहे की ही शेवटची नसेल. येथील अतिथ्य अत्यंत उत्तम आहे, पण त्याहून महत्त्वाचे म्हणजे, या बंदराची कार्यक्षमता आणि जागतिक स्तरावरील सेवा प्रत्यक्ष पाहण्याची संधी मला मिळाली. कार्यक्षेत्राचा विस्तार, पर्यावरण संवर्धन, नाविन्यपूर्ण तंत्रज्ञानात गुंतवणूक आणि आंतरराष्ट्रीय सागरी संघटनेच्या डीकार्बनायझेशन प्रयत्नांना हातभार लावणे यामध्ये जेएनपीए मोठी प्रगती करत आहे. तसेच, मानव संसाधन विकासासाठी घेतलेली बांधिलकी देखील कौतुकास्पद आहे. या अद्वितीय बंदराच्या आणखी प्रगतीसाठी मी उत्सुक आहे."*

या प्रसंगी बोलताना, जनेप प्राधिकरणाचे अध्यक्ष आणि वाढवण बंदर प्रकल्प लिमिटेडचे अध्यक्ष आणि व्यवस्थापकीय संचालक श्री उन्मेष शरद वाघ**,** भा.रा.से., म्हणाले, *"पर्यावरणपूरक पद्धतींची अंमलबजावणी करून आणि परिचालन (ऑपरेशनल) कार्यक्षमता वाढवून जागतिक शाश्वततेच्या*

उद्दिष्टांशी जुळवून घेण्याच्या आपल्या ध्येयावर जनेप प्राधिकरण ठाम आहे. शाश्वतता हा आमच्या विकास धोरणाचा गाभा आहे आणि सागरी क्षेत्राच्या हरित भविष्याला आधार देणाऱ्या उपक्रमांना आम्ही चालना देत आहोत. आमचे आगामी वाढवण बंदर स्थापनेपासूनच 100% हरित बंदर असेल, ज्यामुळे पर्यावरणीयदृष्ट्या टिकाऊ बंदर पायाभूत सुविधांप्रती आमची वचनबद्धता बळकट होईल. महामहिम श्री आर्सेनियो डोमिंग्वेझ यांच्या या जनेप प्राधिकरणाच्या भेटीने जागतिक सहकार्य आणि पर्यावरणपूरक उपक्रमांद्वारे सागरी क्षेत्राला शाश्वत वाढीच्या दिशेने नेण्यात आयएमओच्या महत्त्वपूर्ण भूमिकेची पुष्टी केली आहे."

महामहिम श्री डोमिंग्वेझ यांची भेट शाश्वत सागरी विकासाच्या दिशेने आंतरराष्ट्रीय सहकार्य बळकट करण्याच्या दृष्टीने एक महत्त्वपूर्ण पाऊल असून जनेप प्राधिकरण भारताच्या हरित बंदर उपक्रमांना पुढे नेण्यात महत्त्वपूर्ण भूमिका बजावत आहे.

जनेप प्राधिकरण बद्दल:

जवाहरलाल नेहरू पोर्ट प्राधिकरण (जनेप प्राधिकरण) हे भारतातील प्रमुख कंटेनर हाताळणी बंदरांपैकी एक आहे. २६ मे १९८९ रोजी स्थापना झाल्यापासून, जनेप प्राधिकरण एक बल्क कार्गो टर्मिनलवरून देशातील प्रमुख कंटेनर बंदरात रूपांतरित झाले आहे.

सध्या, जनेप प्राधिकरण पाच कंटेनर टर्मिनल्स चालवते - एन एस एफ टी , एन एस आय सी टी, एन एस आय जी टी, बी एम सी टी आणि ए पी एम टी बंदरात सामान्य मालवाहतुकीसाठी उथळ पाण्याचा बर्थ देखील आहे. जनेप प्राधिकरण पोर्टवर उपस्थित असलेले लिक्विड कार्गो टर्मिनल बीपीसीएल-आयओसीएल कन्सोर्टियमद्वारे व्यवस्थापित केले जाते. याव्यतिरिक्त, नव्याने बांधलेला किनारी धक्का इतर भारतीय बंदरांना जोडतो आणि किनारपट्टीवरील कंटेनरची वाहतूक वाढवते.

277 हेक्टर जमिनीवर वसलेले, जनेप प्राधिकरण भारतातील निर्यात-केंद्रित उद्योगांना चालना देण्यासाठी, अत्याधुनिक पायाभूत सुविधांसह, काळजीपूर्वक डिझाइन केलेले बहुउत्पादक विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ) देखील चालवते.

जनेप प्राधिकरण महाराष्ट्रातील वाढवण येथे सर्व हवामानात काम करण्यायोग्य, २० मीटर नैसर्गिक खोल, ग्रीनफिल्ड पोर्ट विकसित करत आहे. हे जागतिक स्तरावरील सर्वोत्कृष्ठ १० बंदरांमध्ये स्थान मिळवणार आहे आणि स्थापनेपासून १००% हरित बंदर असेल.

मीडिया चौकशीसाठी, कृपया संपर्क साधा:

जनेप प्राधिकरण:

अंबिका सिंग

सीनियर मॅनेजर (मार्केटिंग), जनेप प्राधिकरण

मोबाईल क्रमांक: +919920372677

ईमेल: ambikasingh@jnport.gov.in

आईएमओ के महासचिव महामहिम श्री आर्सेनियो डोमिंग्वेज़ ने वैश्विक समुद्री संपोषणीयता पर चर्चा करने के लिए जनेप प्राधिकरण का दौरा किया

मुंबई, 20 फरवरी, 2025: अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) के महासचिव महामहिम श्री आर्सेनियो डोमिंग्वेज़ ने अपने भारत दौरे के दौरान, वैश्विक समुद्री क्षेत्र में संपोषणीयता को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करते हुए, भारत के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले पत्तन जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरण (जनेप प्राधिकरण) का बुधवार, फरवरी 19, 2025 को दौरा किया। इस यात्रा के दौरान नौवहन महानिदेशक श्री श्याम जगन्नाथन भी उपस्थित थे।

अपनी यात्रा के दौरान, उन्होंने जनेप प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं वाढवण पत्तन परियोजना लिमिटेड के मुख्य प्रबंध निदेशक श्री उन्मेष शरद वाघ, भा.रा.से., के साथ चर्चा की। महामहिम श्री आर्सेनियो डोमिंग्वेज़ सामने समुद्री संचालन और संपोषणीयता पहल में जेएनपीए की प्रगति पर प्रकाश डालते हुए एक प्रस्तुति सादर कर साथ ही उन्हें सम्मानित भी किया गया। उन्हें जनेप प्राधिकरण द्वारा विकसित किए जा रहे भारत के 13वें प्रमुख पत्तन वाढवण पत्तन परियोजना लिमिटेड के बारे में भी जानकारी दी गई।

यह चर्चाएं जनेप प्राधिकरण की चल रही और आगामी संपोषणीयता पहलों पर केंद्रित थीं, जो हरित और कुशल पत्तन प्रचालन के प्रति पत्तन की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती हैं। महामहिम श्री डोमिंग्वेज़ ने जनेप प्राधिकरण विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) और केंद्रीकृत पार्किंग प्लाजा (सीपीपी) सहित प्रमुख बुनियादी ढांचा विकास कामों का भी दौरा किया, जिससे पत्तन के आर्थिक विकास और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के एकीकृत दृष्टिकोण के बारे में उन्हें जानकारी मिली।

जेएनपीए की अपनी यात्रा के अनुभव साझा करते हुए, आईएमओ के महासचिव मा. श्री अर्सेनियो डोमिंग्वेज़ ने कहा, "*यह मेरी जवाहरलाल नेहरू पोर्ट की पहली यात्रा है, और आशा करता हूँ कि यह आखिरी नहीं होगी। यहां की अतिथि-सत्कार अद्भुत है, लेकिन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि मैंने इस बंदरगाह की कार्यक्षमता और उत्कृष्ट सेवाओं को प्रत्यक्ष रूप से देखा—जो न केवल भारत के लिए, बल्कि पूरे विश्व के लिए महत्वपूर्ण हैं। संचालन क्षमता का विस्तार, पर्यावरण संरक्षण, नवाचार और प्रौद्योगिकी में निवेश, और आईएमओ के शिपिंग उद्योग के डीकार्बनाइजेशन प्रयासों में योगदान—इन सभी क्षेत्रों में जेएनपीए उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है। मानव संसाधन में निवेश की प्रतिबद्धता भी सराहनीय है, और मैं भविष्य में इस उत्कृष्ट बंदरगाह की और भी अधिक प्रगति देखने के लिए उत्सुक हूँ।*"

इस अवसर पर बोलते हुए, जनेप प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं वाढवण पत्तन परियोजना लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री उन्मेष शरद वाघ, भा.रा.से., ने कहा, "*जनेप प्राधिकरण पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं को लागू करके और प्रचालन दक्षता बढ़ाकर वैश्विक संपोषणीयता लक्ष्यों के साथ संरेखित करने के अपने*

मिशन में दृढ़ है। संपोषणीयता हमारी विकास रणनीति के मूल में है, और हम समुद्री क्षेत्र के लिए एक हरित भविष्य का समर्थन करने वाली पहलों को जारी रखते हैं। हमारा आगामी वाढवण पत्तन स्थापना से ही 100% हरित पत्तन होगा, जो पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ पत्तन बुनियादी ढांचे के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करेगा। महामहिम श्री आर्सेनियो डोमिंग्वेज़ के जनेप प्राधिकरण दौरे ने वैश्विक सहयोग और पर्यावरण के अनुकूल पहलों के माध्यम से समुद्री क्षेत्र को सतत विकास की ओर ले जाने में आईएमओ की महत्वपूर्ण भूमिका की पुष्टि की हैं।"

महामहिम श्री डोमिंग्वेज़ की यात्रा टिकाऊ समुद्री विकास की दिशा में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और जनेप प्राधिकरण भारत की हरित पत्तन पहलों को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

जनेप प्राधिकरण के बारे में :

जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरण (जनेप प्राधिकरण) भारत के प्रमुख कंटेनर-हैंडलिंग बंदरगाहों में से एक है। 26 मई 1989 को अपनी स्थापना के बाद से, जनेप प्राधिकरण ने एक बल्क कार्गो टर्मिनल से देश के प्रमुख कंटेनर पत्तन में परिवर्तन किया है।

वर्तमान में, जनेप प्राधिकरण पांच कंटेनर टर्मिनलों - एनएसएफटी, एनएसआईसीटी, एनएसआईजीटी, बीएमसीटी और एपीएमटी का संचालन करता है। बंदरगाह में सामान्य कार्गो के लिए उथले पानी की बर्थ भी है। जेएनपीए पोर्ट पर मौजूद लिक्विड कार्गो टर्मिनल का प्रबंधन बीपीसीएल-आईओसीएल कंसोर्टियम द्वारा किया जाता है। इसके अतिरिक्त, नवनिर्मित तटीय बर्थ अन्य भारतीय बंदरगाहों को जोड़ता है और तटीय कंटेनरों के यातायात को बढ़ाने की सुविधा प्रदान करता है।

277 हेक्टेयर भूमि पर बसा जनेप प्राधिकरण भारत में निर्यातोन्मुखी उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ एक सावधानीपूर्वक डिज़ाइन किया गया बहु-उत्पाद एसईजेड भी संचालित करता है।

जनेप प्राधिकरण महाराष्ट्र के वाढवण में एक सभी मौसमों में सक्षम, गहरे ड्राफ्ट वाला, ग्रीनफील्ड पत्तन भी विकसित कर रहा है। यह वैश्विक स्तर पर शीर्ष 10 बंदरगाहों में शामिल होने की संभावना है और इसकी स्थापना से ही 100% ग्रीन पोर्ट होगा।

मीडिया पूछताछ के लिए, कृपया संपर्क करें:

जनेप प्राधिकरण

अंबिका सिंह
वरिष्ठ प्रबंधक (मार्केटिंग), जनेप प्राधिकरण
मोबाइल नंबर: +919920372677
ईमेल: ambikasingh@jnport.gov.in

H.E. Mr. Arsenio Dominguez, Secretary-General, IMO, Visits JNPA to Discuss Global Maritime Sustainability

Mumbai, February 20th, 2025: H.E. Mr. Arsenio Dominguez, Secretary-General of the International Maritime Organization (IMO), visited Jawaharlal Nehru Port Authority (JNPA)- India's Best Performing Port on Wednesday, February 19, 2025, as part of his India tour-focused on promoting sustainability in the global maritime sector. Shri Shyam Jagannathan, Director General of shipping, was also present during this visit.

During his visit, he engaged in discussions with Shri Unmesh Sharad Wagh, IRS, Chairperson, JNPA, and CMD, VPPL, he was facilitated with a presentation highlighting JNPA's advancements in maritime operations and sustainability initiatives. He was also apprised about the Vadhvan Port Project Ltd. - 13th Major Port of India being developed by JNPA.

The discussions centred on JNPA's ongoing and upcoming sustainability initiatives, underscoring the port's commitment to green and efficient port operations. H.E. Mr Dominguez also visited key infrastructure developments, including the JNPA Special Economic Zone (SEZ) and the Centralised Parking Plaza (CPP), gaining insights into the port's integrated approach to economic growth and environmental responsibility.

Sharing his experience about his visit to JNPA**, H.E. Mr. Arsenio Dominguez, Secretary-General, IMO**, said, "*It's my first visit to Jawaharlal Nehru Port, and hopefully, it won't be the last. The hospitality has been incredible, but more importantly, I have witnessed firsthand the efficiency and quality of service this port provides—not just for India, but for the world. From expanding operational capacity to environmental conservation, investing in innovation and technology, and contributing to the IMO's efforts toward decarbonizing the shipping industry, JNPA is making remarkable strides. The commitment to investing in people is equally commendable, and I look forward to seeing even more progress in the future at this incredible port.*"

Speaking on the occasion, **Shri Unmesh Sharad Wagh, IRS, Chairperson, JNPA, and CMD, VPPL**, stated, "*JNPA is steadfast in its mission to align with global sustainability goals by implementing eco-friendly practices and enhancing operational efficiency. Sustainability is at the core of our growth strategy, and we continue to drive initiatives that support a greener future for*

the maritime sector. Our upcoming Vadhvan Port will be a 100% green port from inception, reinforcing our commitment to environmentally sustainable port infrastructure. The visit of H.E. Mr. Arsenio Dominguez reaffirms the IMO's crucial role in steering the maritime sector toward sustainable growth through global cooperation and eco-friendly initiatives."

H.E. Mr. Dominguez's visit marks a significant step in strengthening international cooperation toward sustainable maritime development, with JNPA playing a pivotal role in advancing India's green port initiatives.

About JNPA:

The Jawaharlal Nehru Port Authority (JNPA) is one of the premier container-handling ports in India. Since its inception on May 26, 1989, JNPA has transformed from a bulk cargo terminal into the premier container port in the country.

Currently, JNPA operates five container terminals - NSFT, NSICT, NSIGT, BMCT and APMT. The Port also has a Shallow Water Berth for general cargo. A Liquid Cargo Terminal present at the JNPA Port is managed by the BPCL-IOCL consortium. Additionally, the newly constructed coastal berth links other Indian ports and facilitates enhancing the traffic of coastal containers.

Nestled across 277 hectares of land, JNPA also operates a meticulously designed multi-product SEZ, with state-of-the-art infrastructure, to boost export-oriented industries in India.

JNPA is also developing an all-weather, deep-draft, greenfield port at Vadhvan, in Maharashtra. It is poised to be among the top 10 ports globally and will be 100% green port since its inception.

For media enquiries, please contact:

JNPA:
Ambika Singh
Sr. Manager (Marketing), JNPA
Mob: +919920372677
E-mail: ambikasingh@jnport.gov.in